Aparajitha

सफलता के बीज

त्रैमासिक सूचना-पत्र
अक्टूबर-दिसंबर 2018

தளிர்த் திறன் திட்டம்

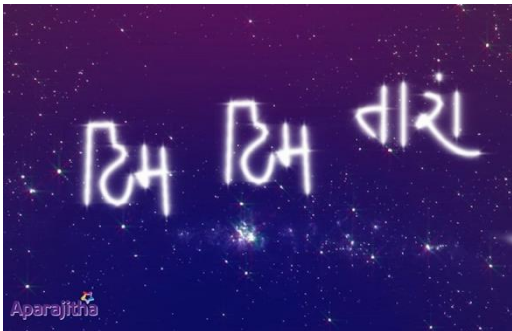

29

अंक

केवल निजी संचरण के लिए

विषय-सूची

नमस्ते! 2

गुजरात में टिम टिम तारा के शिक्षक प्रशिक्षण का सीधा प्रसारण 3

अपराजिथा की नई वेबसाइट..... 3

हरियाणा के शिक्षा सचिव ने TTT को सराहा 4

तमिलनाडु में थलिर थिरन थिट्टम - एक मूल्यांकन 5

गूँज 8

स्वागत है 9

अपराजिथा फाउंडेशन्स
5A, वी.पी.रथिनासामी रोड
बीबीकुलम
मदुरई- 625002.

0452-4375252

info@aparajitha.org

सादर नमस्ते !

बचपन से ही बच्चे आगे बढ़ने की कोशिश में लगे रहते हैं। पहले वे करवट लेते हैं, फिर लुढ़कते हैं, बैठने लगते हैं, घुटनों के बल चलते हैं, खड़े होना सीखते हैं और फिर चलना व दौड़ना। इसी तरह, थलिर थिरन थिट्टम (**TTT टिम टिम तारे**) ने भी अपने सफर में कई पड़ाव पार किए हैं। खास तौर पर पिछले दो वर्षों में कई उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं।

अब तक, टिम टिम तारा के शिक्षण के लिए प्रशिक्षण व्यक्तिगत रूप से या फिर विडियो के द्वारा दिए जाते थे। पर अब इसे सैटेलाइट के द्वारा आरम्भ किया गया है।

हाल ही में हरियाणा सरकार के शिक्षा सचिव श्री पी.के.दास (IAS) ने समाचार-पत्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, टिम टिम तारे के कार्यक्रम के कारण उन्होंने विद्यार्थियोंमें एक साकारात्मक परिवर्तन देखा है।

TTT कार्यक्रम के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में आए बदलाव को समझने के लिए हम ने एक अध्ययन किया गया है। इस अंक में हम आपसे ये सब बातें साझा करेंगे। अपराजिता फाउंडेशन्स की नई वेबसाइट पर भी हम आपका स्वागत करते हैं।

आइए पढ़ें....

अपने विचार साझा करें...

अपने दोस्तों और साथियों को बताएँ...

आपके निरंतर सहयोग और सुझावों की आशा करते हुए -

संपादकीय टीम

टिम टिम तारे, कक्षा *7* से *12* के विद्यार्थियों को जीवन कौशल शिक्षण प्रदान करता है। डबल्यूएचओ *(WHO)* द्वारा दिए गए दस कौशलों की सूची के आधार पर बनाए गए ये पाठ विद्यार्थियों को सुखद आनुभविक शिक्षा प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्तर पर ये पाठ शिक्षकों की पुस्तिका के आधार पर और माध्यमिक व उच्च स्तर पर विडियो द्वारा करवाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को ज़िम्मेदार नागरिक बनाना और *2008-2009* के दौरान इसे *5* उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रारंभ किया गया था। *2009-10* में इसे तमिलनाडु सरकार द्वारा, तमिल नाडु के सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में लागू किया गया। इसके पश्चात, ये प्राथमिक स्कूलों, सरकार की सहायता से चलने वाले निजी स्कूलों और इस कार्यक्रम में रुचि दिखाने वाले आन्य स्कूलों में लागू किया गया। अब यह कार्यक्रम6राज्यों में कार्यान्वित है- तमिल नाडु, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा।

गुजरात में टिम टिम तारा के शिक्षक प्रशिक्षण का सीधा प्रसारण

गुजरात में माध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए टिम टिम तारा कार्यक्रम लगभग छह वर्षों से चल रहा है। अब इसे उच्च विद्यालय के बच्चों के लिए भी चलाया गया है। इसके तहत, टिम टिम तारा के पाठ हर बुधवार, कक्षा 9 और 10 के लिए सैटलाइट द्वारा चलाए जाएँगे।

इसके परिणामस्वरूप 8000 स्कूलों के 16,00,000 विद्यार्थी, इसका लाभ उठा पाएँगे।

पाठों का सीधा प्रसारण सर्वप्रथम 31 दिसंबर, 2018 को शुरू हुआ। गुजरात के माध्यमिक और उच्च शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन, श्री ए.जे.शाह और सह-निर्देशक श्री बी.एन.राजगोर ने प्रसारण के समय जीवन कौशल शिक्षा की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसके पश्चात टिम टिम तारा का शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ जिसमें, पियर लर्निंग (साथियों से सीखना) की तकनिकों को एक भाषण के माध्यम से बताया गया।

अपराजिथा की नई वेबसाइट

अपने लंबे सफर में अपराजिता ने एक के बाद एक, कई पड़ाव पार किए हैं। हाल ही में एक वेबसाइट बनाई गई है, जिससे अपराजिता के योगदान पूरे विश्व तक पहुँचाए जाएगा। सभी राज्यों में हो रहे कार्यक्रमों की जानकारी इस पर तुरंत अपडेट की जा रही है। सफलता की कहानियाँ, संयोजकों व विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया, शुभचिंतकों की सराहना – ये सब हमारी वेबसाईट www.aparajitha.org पर उपलब्ध है।

हरियाणा के शिक्षा सचिव ने TTT को सराहा

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए खास पहल

नैतिक शिक्षा का मंत्र देने के लिए चलेगी विशेष मुहिम

योगेंद शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

सरकारी स्कूलों के बच्चों में नैतिक शिक्षा के साथ-साथ सही ढंग से जीवन यापन करने का मंत्र शुरुआत से डालने के लिए विशेष मुहिम चलाने की तैयारी है। जिसमें शिक्षा विभाग सामाजिक संगठन से मदद लेकर इस काम पर अमल कर रहा है। फिलहाल पांच जिलों में यह योजना चलाई जा रही है, जिसके बच्चों में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए हरियाणा स्कूल एजूकेशन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास ने प्रदेश के सभी स्कूली बच्चों को इसका लाभ पहुंचाने व प्रदेशभर में लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। उक्त कार्य में हरियाणा स्कूल एजूकेशन विभाग की मदद अपराजिता फाउंडेशन संस्था द्वारा की जा रही है। संस्था द्वारा बच्चों में नैतिक गुण पिरोने के उद्देश्य से विशेष मुहिम सबसे पहले अंबाला मंडल के पांच जिलों में चलाई जा रही है, जिस समय संस्था के साथ में एमओयू हुआ था, उस दौर में यह जिले मंडल में आते थे। अंबाला, पंचकूला और यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल जैसे जिले आते हैं। इस संबंध में सहायक निदेशक एकेडिमक नंदकिशोर वर्मा और प्रोग्राम ऑफिसर प्रमोद ने बताया कि अपराजिता केरला की फाउंडेशन ने एक साल पहले कार्यक्रम की शुरुआत की थी। जिसे अंबाला मंडल के अलावा अप्रैल से पांच जिले और शामिल किए जाएंगे। तीसरे चरण में पांच जिले व चौथे चरण में पूरा प्रदेश कवर कर लिया जाएगा।

साल भर में करोड़ों रुपये खर्च कर रही संस्था

संस्थान और कंपनी की ओर से 110 वीडियो के माध्यम से नैतिक शिक्षा की कहानियां, लाइफ स्किल, अनुशासन, सड़क नियमों का पालन, स्वच्छता की मुहिम, दयाभाव, धर्म, जीवों पेड़ पौधों की रक्षा, वाइल्ड लाइफ, पर्यावरण, पानी बचाने, ईमानदारी जैसे विषयों को शामिल किया गया है। पहले इन्हें प्रोजेक्टर और एजूसैट के माध्यम से बताया जाता है। बच्चों को यह दिखाने के बाद संस्था के मास्टर ट्रेनर जाते हैं, जो बच्चों के सवालों और शंकाओं को दूर करने का काम करते हैं। यह कार्यक्रम सातवीं से लेकर 12 वीं तक के बच्चों को जिंदगी में यह टिप्स दिए जा रहे हैं। पूरे प्रदेश में 1 से 12 वीं तक 21 लाख बच्चे हैं। प्राइमरी में लगभग साढ़े चौदह लाख बच्चे हैं, फिलहाल इसके नीचे के बच्चों को प्रशिक्षण का काम प्राइमरी शिक्षक ही करते हैं। शिक्षकों को ट्रेनिंग, बच्चों को प्रशिक्षण, अपने ट्रेनरों को ट्रेनिंग दी जाती है।

बेहतर जीवन व नैतिक गुणों के लिए प्रयास

स्कूल एजूकेशन विभाग के एसीएस पीके दास ने कहा कि शिक्षा विभाग को दो दर्जन संस्थाएं बिना कोई पैसा लिए मदद करने का काम कर रही है। इसी क्रम में विभाग संस्था अपराजिता से सहयोग लेने का काम कर रही है। अभी पांच जिलों में चल रही है, जिसके परिणाम अच्छे आ रहे हैं, इसीलिए इसे धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में लागू करने का काम किया जाएगा।

हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्री पी.के.दास I.A.S. ने टिम टिम तारे की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने यह आदेश दिया है कि इस कार्यक्रम को पूरे राज्य में लागू किया जाए। समाचार-पत्रों से बातचीत में उन्होंने यह कहा:

अपराजिथा फाउंडेशन्स के साथ मिलकर हरियाणा सरकार का शिक्षा विभाग, स्कूल के बच्चों को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान कर रहा है।

अम्बाला डिविज़न के 'किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम' में टिम टिम तारेकार्यक्रम एक वर्ष से चल रहा है। अम्बाला, यमुना नगर, कुरुक्षेत्र, पचकुला और कैथल जिले से इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों में हमने काफी परिवर्तन देखा है।

ऐसे प्रोत्साहित करने वाले परिणाम देखकर, हमने अपराजिता के साथ एक MoU बनाया है। इस नए समझौते के अनुसार, जब किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम का तीसरा चरण शुरू होगा,अप्रैल 2019 से टिम टिम तारे कार्यक्रम को पाँच अन्य जिलों में लागू किया जाएगा। चौथे चरण में सभी जिलों को शामिल करने का आदेश भी दे दिया गया है।

तमिलनाडु में थलिर थिरन थिट्टम – एक मूल्यांकन

थलिर थिरन थिट्टम (**TTT**) पाँच राज्यों में चल रहा है – तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश। इन राज्यों में, ये क्रमशः तीन अलग भाषाओं में प्रस्तुत किया जाता है- तमिल, गुजराती और हिन्दी। विद्यार्थियों के व्यवहार और कौशल विकास में जो परिवर्तन देखा गया है, वह हमें नियमित रूप से शिक्षकों और विद्यार्थियों से पता चलता है। इस प्रतिक्रिया के आधार पर, तमिल नाडु में, वर्तमान शैक्षिक वर्ष में, एक अध्ययन किया गया जिससे यह ज्ञात हो सके कि विद्यार्थियों में किस प्रकार का परिवर्तन आया है। इस अध्ययन के लिए, अक्टूबर से दिसंबर के बीच, 10 स्कूलों के 420 विद्यार्थियों से सैम्पल डॅटा एकत्रित किया गया।

सैम्पल डॅटा मदुरई, सिवगंगई, इरोड, सेलम, थिरुवल्लुर और कांचिपुरम जिलों से एकत्रित किया गया। इनमें 20% सरकारी स्कूल, 50% सरकारी सहायता से चलने वाले स्कूल, और 20% स्व-चलित स्वतंत्र स्कूल थे। विद्यार्थियों के अनुसार देखें तो, 30% कन्या विद्यालय, 10% बालक विद्यालय और 60% सहशिक्षा स्कूल थे। 30% स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों से थे और 70% शहरी क्षेत्रों से थे।

35% जवाब हमें लड़कों से मिले और 65% लड़कियों से। इनमें से 38% ग्रामीण स्कूलों से सम्बन्धित थे और 62% शहरी स्कूलों से सम्बन्धित थे। इनमें 12.8% सरकारी स्कूल, 74.7% सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल और 12.5% स्व-चलित स्वतंत्र स्कूल शामिल थे।

तालिका 1
विद्यार्थियों पर जीवन कौशल का प्रभाव

कौशल	प्रतिशत
मूल्य (नैतिकता)	28
आत्म-जागरुकता	11
शिष्टाचार	11
अंतर्वैयक्तिक कौशल	10
भावनाओं को समझना	10
वार्तालाप (बोलचाल)	09
अन्य	21

आंकड़ों के हिसाब से मूल्य संबंधित क्षेत्र में विद्यार्थियों पर सबसे ज़्यादा प्रभाव पड़ा है। इसके बाद सबसे ज़्यादा प्रभाव शिष्टाचार और आत्म-जागरुकता के पाठों में देखा गया। तीसरे स्थान पर हैं, अंतर्वैयक्तिक कौशल और भावनाओं से संबंधित पाठ। बोलचाल (वार्तालाप) वाले पाठ चौथे स्थान पर आए हैं। समय का प्रबंधन, तनाव से बचना, समानुभूति, स्वास्थ्य व स्वच्छता, लैंगिक समानता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेना, संचार के माध्यमों को समझना, पर्यावरण की सुरक्षा – इस प्रकार के पाठ सूची में सबसे नीचे हैं। इसका एक कारण यह हो सकता है कि कक्षा 9, 10, 11 और 12 से, बहुत कम विद्यार्थियों ने पाठों के बारे में अपनी प्रतिक्रिया दी थी। सूची में सबसे नीचे जो पाठ हैं, वे इन ही कक्षाओं के पाठ्यक्रम में आते हैं।

तालिका 2

शहरी विद्यार्थियों पर जीवन कौशल का प्रभाव

कौशल	प्रतिशत
मूल्य (नैतिकता)	25
भावनाओं को समझना	15
आत्म-जागरुकता	14
शिष्टाचार	13
अंतर्वैयक्तिक कौशल	09
अन्य	24

तालिका 3

ग्रामीण विद्यार्थियों पर जीवन कौशल का प्रभाव

कौशल	प्रतिशत
मूल्य (नैतिकता)	35
अंतर्वैयक्तिक कौशल	14
बोलचाल/वार्तालाप	13
शिष्टाचार	11
समय का प्रबंधन	09
अन्य	18

हमने पाया की चाहे विद्यार्थी ग्रामीण स्कूलों से हों या फिर शहरी स्कूलों से, मूल्यों (नैतिकता) से संबंधित पाठों का उन पर गहरा असर हुआ है। इसके बाद आते हैं भावनाओं को समझने वाले पाठ, जो कि शहरी विद्यार्थियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं, और ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए दूसरे स्थान पर अंतर्वैयक्तिक कौशल हैं। तीसरे स्थान पर ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए बोलचाल (वार्तालाप) है और शहरी विद्यार्थियों के लिए आत्म-जागरुकता है। शहरी और ग्रामीण, दोनों विद्यार्थियों के लिए शिष्टाचार चौथे स्थान पर है। पाँचवे स्थान पर ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए समय का प्रबंधन है और शहरी विद्यार्थियों के लिए अंतर्वैयक्तिक कौशल है। इसके बाद ग्रामीण विद्यार्थियों की सूची में आत्म-जागरुकता, तनाव से बचना और भावनाओं को समझना, 6ठे, 7वें और 8वें स्थान पर हैं। वहीं शहरी विद्यार्थियों के लिए इन स्थानों पर समय का प्रबंधन, बोलचाल (वार्तालाप) और तनाव से बचना है।

तालिका 4
लड़कों पर जीवन कौशल का प्रभाव

कौशल	प्रतिशत
मूल्य (नैतिकता)	37
समय का प्रबंधन	12
आत्म-जागरुकता	11
अंतर्वैयक्तिक कौशल	11
शिष्टाचार	11
अन्य	18

तालिका 5
लड़कियों पर जीवन कौशल का प्रभाव

कौशल	प्रतिशत
मूल्य (नैतिकता)	33
बोलचाल (वार्तालाप)	16
अंतर्वैयक्तिक कौशल	15
शिष्टाचार	10
तनाव से बचना	07
अन्य	19

लिंग के आधार पर देखा जाए तो, लड़कों व लड़कियों, दोनों पर मूल्यों से संबंधित पाठों का सबसे ज़्यादा प्रभाव हुआ है। लड़कों के लिए दूसरे स्थान पर था समय का प्रबंधन, तीसरे पर आत्म-जागरुकता, अंतर्वैयक्तिक कौशल और शिष्टाचार, चौथे पर लक्ष्य बनाना और भावनाओं को समझना पाँचवे पर रहा। जब कि लड़कियों के लिए बोलचाल (वार्तालाप) के पाठ दूसरे स्थान पर थे, अंतर्वैयक्तिक कौशल तीसरे पर, चौथे पर शिष्टाचार और पाँचवे पर तनाव से बचना।

यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि स्थान और लिंग चाहे कोई भी हो, मूल्यों पर आधारित पाठ का असर सबसे ज़्यादा देखा गया। इसके बाद शिष्टाचार, अंतर्वैयक्तिक कौशल, आत्म-जागरुकता दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर थे। अन्य विषयों के पाठ सूची में नीचे रहे, हालांकि जगह और लिंग के आधार पर इनमें थोड़ा फर्क था। इसके ये कारण हो सकते हैं:

महत्त्वपूर्ण कौशल और मूल्यों से संबंधित बातें घर और स्कूल दोनों जगहों में सिखाई जाती है। संभवत: इस वजह से इनका प्रभाव सबसे ज़्यादा देखा गया है। उदाहरण के लिए, समानुभूति, शिष्टाचार, पर्यावरण का संरक्षण , संचार के माध्यमों की समझ – इन बातों पर घर और स्कूल दोनों जगह ज़ोर दिया जाता है।

- विद्यार्थियों के दैनिक निजी अनुभवों के आधार पर उन्हें, आत्म-जागरुकता, तनाव से बचना, लक्ष्य बनाना और लैंगिक समानता, जैसे पाठ पसंद आए होंगे, क्योंकि ये सीधा उनसे ही संबंधित थे।

- ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने रचनात्मक सोच, समीक्षात्मक सोच, निर्णय लेना, समस्याओं को हल करना- इन विषयों के महत्त्व को अच्छी तरह नहीं समझा है। इस वजह से शायद इनका प्रभाव अपेक्षा से कम रहा है।

गूँज

अपराजिता फाउंडेशन को इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव तक पहुँचने पर बधाई हो (53, 00,000 विद्यार्थियों तक पहुँच)जिस प्रकार TTT की पहुँच बढ़ती जा रही है, उसे देखकर मैं आश्चर्यचकित हूँ। आप लोगों के परिश्रम और दृढ़ निश्चय की मैं सराहना करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि आप ज़्यादा से ज़्यादा विद्यार्थियों तक पहुँचें पहुंचाएंगे और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का बीज विकसित होगा। मेरी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।

- गौतम
USA

वाह! TTT ने तो धूम मचा दी। एक विद्यार्थी से एक शिक्षक बनने का, श्वेता का सफर देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। श्वेता जैसे कई और विद्यार्थी सामने आएँ, यही उम्मीद है। TTT पाँच राज्यों से पूरे देश और सभी महाद्वीपों तक पहुँचे यही मेरी कामना है। शुभकामनाएँ।

- डेनियल सेल्वराज
ऑडिटर, मदुरई

थलिर थिरन थिट्टम बिल्कुल अद्भुत है और इससे हम सबको प्रेरणा मिलती है।

- के.कमलराजन
उद्योगपति, मदुरई

TTT की सफलता और उपलब्धियों को देखकर खुशी हुई।

- श्याम सुंदर
डेवेलपमेन्ट कंसलटन्ट, चेन्नई

विद्यार्थियों को 'आय एम ए लीडर' कार्यक्रम में शामिल करना बहुत ही बढ़िया कदम है। आप लाजवाब कार्य कर रहे हैं! मुझे यकीन है कि यह काफिला इसी तरह बढ़ता रहेगा, इसमें और भी स्वयं-सेवक शामिल होते रहेंगे और इससे कई विद्यार्थियों को लाभ होगा।

आपकी यह सकारात्मक पहल इसी प्रकार आगे बढ़ती रहे! नई वेबसाइट शानदार है!!

-एन.ए.नरायणन
मानव संसाधन प्रशिक्षक, मदुरई

इस पत्रिका से यह स्पष्ट है कि TTT नई ऊँचाइयों को छू रहा है। विद्यार्थियों के लिए यह बहुत ज़रूरी है, क्योंकि ज़्यादातर परिवारों में माता व पिता, दोनों ही घर चलाने के लिए काम करते हैं और शायद बच्चों को ज़्यादा समय नहीं दे पाते। ऐसी परिस्थिति में, TTT के माध्यम से बच्चे अच्छी बातें सीखते हैं और उन्हें जीवन में सही मार्ग दर्शन मिलता है।

- सुगुमार एच
बिज़नेस मैनेजर, अपराजिथा, बैंगलुरू

स्वागत है!

सुश्री **रूनम कौशिक**, श्री **भरत भूषण** और श्री **दिनेश व्यास** का हम स्वागत करते हैं। विद्यार्थियों के लिए, 'जागरुकता से परिवर्तन की ओर' का जो सफर हमने शुरू किया है, उसमें ये भी हमारे हमसफर बन गए हैं।

रूनम कौशिक बाल अधिकारों से सम्बंधित अनुभव का भंडार हैं और शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने अनन्य उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उन के ही शब्दों में उनका परिचय कुछ इस प्रकार है..."*बाल अधिकारों के लिए मैंने वर्षों तक सतत निःस्वार्थ कार्य किया है... बाल कल्याण समिति, शिमला में आदरणीय महामहिम 'राज्यपाल (हिमाचल प्रदेश) द्वारा नियुक्त, "सदस्य मेजिस्ट्रेट" की ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते हुए शिमला के लिए 2014 से 2017 तक अपनी सेवायें बाल हित के लिए समर्पित की हैं। पूर्व में भी मैं वर्ष 1998 से गैर-सरकारी संस्थाओं के लिए निर्बाध कार्यरत हूँ, एवं वर्तमान में भी कईं सामाजिक संस्थायों के लिए एक निःशुल्क सलाहकार के रूप में समाज़ कोअपनी सेवाएं, बाल-अधिकारों के प्रति जन-जागरण के प्रयास से कर रही हूँ।*"
हमें पूरा विश्वास है कि वे हमारी टीम के साथ घुल-मिल जाएँगी और हमारे काम को आगे बढ़ाने में पूरा योगदान देंगी। वे हिमाचल प्रदेश के अभियान का कुशल नेतृत्व करेंगी।

श्री भरत भूषण लगभग एक वर्ष से हमारी 'टीम-हरियाणा' का हिस्सा हैं। अब वे हरियाणा की टीम का नेतृत्व करेंगे। वे हरियाणा के शिक्षा विभाग के 'मास्टर ट्रेनर' रह चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र में कई वर्षों का अनुभव है। शिक्षा विभाग के अधितकतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व वे ही करते हैं। उन्होंने कई उपाधियाँ प्राप्त की हैं, 'मास्टर इन पंजाबी, एम फिल, बी.एड'। हमें यकीन है कि उनकी निष्ठा और टीम के सहयोग से, वे हरियाणा को नई बुलंदियों तक पहुँचाएँगे। फिलहाल हरियाणा में टिम टिम तारे का सीधा प्रसारण किया जाता है। यह पहला राज्य है जिसने हमारे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया था।

श्री दिनेश व्यास, खेरवाड़ा मॉडल स्कूल, राजस्थान के सेवानिर्वित प्रधानाचार्य हैं। उन्हें कई दशकों का शिक्षण अनुभव है। उन्होंने करीब दो सप्ताह के लिए TTT का पायलट कार्यक्रम किया था और इसी की वजह से हमें राजस्थान में TTT लागू करने का आदेश तुरंत मिल गया था। पहली 'पियर लर्निंग' (अपने साथियों से सीखना) भी उनके ही स्कूल में आरम्भ की गई थी, जब वे स्कूल में कार्य कर रहे थे। व्यास जी एक रोटेरियन (रोटरी क्लब से संबंधित) भी हैं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। हमें कोई शक नहीं है कि आने वाले वर्षों में वे इस कार्यक्रम में एक अहम भूमिका निभायेंगे।